सक्सेस मिरर

वर्ष : 7
अंक : 77
जून : 2016

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

6 | असफलता से सफलता की शिक्षा

8 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह
- केन्द्र सरकार ने विनिवेश विभाग का नाम बदल कर 'दीपम' रखा
- आरबीएल स्टार्टअप्स को समर्पित शाखा खोलने वाला भारत का पहला प्राइवेट सेक्टर बैंक बना
- विश्व बैंक ने प्रवासन और विकास सम्बन्धी संक्षेप रिपोर्ट जारी की
- सुजलान एनर्जी ने पाँच सौर कम्पनियों का अधिग्रहण किया

22 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत की सबसे तेज ट्रेन गतिमान एक्सप्रेस का शुभारम्भ
- सड़क दुर्घटनाओं के मददगार लोगों की सुरक्षा के दिशा-निर्देश को मंजूरी
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) कानून, 2016 के नए नियम अधिसूचित

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह
- प्रधानमंत्री मोदी की बेल्जियम, अमरीका और सऊदी अरब यात्रा सम्पन्न
- नमामि गंगे कार्यक्रम हेतु भारत और जर्मनी ने हस्ताक्षर किए
- भारत-दक्षिण कोरिया ने बंदरगाहों के विकास के लिए किया समझौता

31 | खेल खिलाड़ी
- वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप टी-20 खिताब जीता
- वेस्टइंडीज ने इंगलैण्ड को हराकर आईसीसी पुरुष विश्व कप टी-20 का खिताब जीता
- राफेल नडाल ने गेल मोनफिल्स को हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स खिताब जीता
- दीपा करमाकर ओलम्पिक्स के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला जिमनास्ट बनीं
- आस्ट्रेलिया ने सुल्तान अजलन शाह हॉकी कप–2016 जीता

35 | विज्ञान समाचार

लेख

36 | **कैरियर लेख**–भारतीय स्टेट बैंक में लिपिकीय संवर्ग में कनिष्ठ सहयोगियों (ग्राहक सहायता एवं विक्रय) तथा कनिष्ठ कृषि सहयोगियों की भर्ती परीक्षा–2016

38 | **अंतरिक्ष लेख**–अंतरिक्ष में खुलती जीवन की परतें (अंतरिक्ष में उम्र घट गई और लम्बाई बढ़ गई)

39 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

85 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

87 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक–74 का परिणाम

89 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

43 उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग 'स्टेनोग्राफर' (प्रथम पाली) परीक्षा, 2015

48 आर.आर.सी. (जयपुर) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014

53 आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड सम्मिलित प्रारम्भिक परीक्षा (गैर-तकनीकी श्रेणी) हेतु विशेष हल प्रश्न

61 मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2013

आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग सम्मिलित लिखित (प्रा.) परीक्षा, 2015

67 तार्किक क्षमता

70 संख्यात्मक अभियोग्यता

73 English Language

76 आगामी स्टेट बैंक लिपिकीय संवर्ग प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

- **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
- **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
- **सम्पादकीय ऑफिस**
  1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
  आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
  फोन– 4053333, 2531101, 2530966
  फैक्स– (0562) 4053330
  ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
  कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in
- **दिल्ली ऑफिस**
  4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
  नई दिल्ली–110 002
  फोन– 011-23251844/66
- **पटना ऑफिस**
  पारस भवन (प्रथम तल),
  खजांची रोड,
  पटना– 800 004
  फोन– 0612-2673340
  मो– 09334137572
- **कोलकाता ऑफिस**
  28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
  कोलकाता– 700 004
  फोन– 033-25551510
  मो– 07439359515
- **हैदराबाद ऑफिस**
  1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
  बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
  फोन– 040-66753330
  मो– 09391487283
- **हल्द्वानी ऑफिस**
  8-310/1, ए. के. हाउस
  हीरानगर, हल्द्वानी,
  जिला–नैनीताल– 263 139 (उत्तराखण्ड)
  मो– 07060421008
- **लखनऊ ऑफिस**
  B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
  टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
  लखनऊ– 226 004
  फोन– 0522-4109080
  मो– 09760181118
- **नागपुर ऑफिस**
  1461, जूनी शुक्रवारी,
  सक्करदरा रोड, हनुमान
  मन्दिर के सामने,
  नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
  फोन– 0712-6564222
  मो– 09370877776

असफलता से सफलता की शिक्षा

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

आत्मज्ञानी श्री विराट गुरुजी ने एक बार कहा था कि—प्रवृत्ति के बिना निवृत्ति अर्थहीन है और असमर्थता के प्रखर आभास व टीस के बिना उत्कृष्ट रूप से योग्य हो पाना कैसे संभव है ?

इस दुनिया में अब तक वे ही लोग शीर्ष तक पहुँचे हैं, जो खाई से होकर गुजरे हैं. उन्हीं वृक्षों की शाखाओं ने आकाश को छुआ है, जिनकी जड़ों ने पाताल का अनुभव पाया है. वही कोयला हीरा हो पाया है, जो सैकड़ों वर्षों तक ज़मीन के दाब को सहता गया है. अगर सफलता का अनुभव प्राणों को आकुल-व्याकुल नहीं करता, उसमें सफलता के लिए दृढ़ संकल्प बल नहीं जगाता तो भला कौन इंसान अपने आप को सफलता के चरम तक ले जाने की प्रेरणा पाता ?

सफलता आन्तरिक योग्यताओं के उत्कृष्ट परिणमन को कहते हैं. जब एक इंसान अपने भीतर मौजूद क्षमताओं को उच्चतम स्तर तक जगा पाता है और उसके आनंद को अनुभव कर पाता है तभी वह सफलता का दिव्य सौंदर्य महसूस करता है. किन्तु इस स्वर्णिम सूर्योदय को देखने से पहले अनेक अंधेरी रात्रियों के भयावह दुःखद अनुभवों से, कंटकाकीर्ण पथ से बाधाओं भरे माहौल से गुजरना अवश्यंभावी ही है. रामायण के कथा नायक राम का जीवन चरित्र देखे अथवा लीलाधर श्री कृष्ण का; जिस किसी इंसान ने महापुरुष या अवतार पुरुष का सम्मान पाया उन सभी ने अपने जीवन के दुःखद अनुभवों का सम्यक् दोहन किया. हर असफलता को सफलता का सोपान बनाने की कला, जिसने जानी-सीखी, वही इंसान इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो पाया.

आत्मज्ञानी श्री विराट गुरुजी का कहना है कि 'महापुरुष वे होते हैं जो मजबूरी को नियति मानकर घुटने नहीं टेकते.' अपनी प्रारंभिक असफलताओं को किस्मत का दोष नहीं मानते, किसी हालात या इंसान का उनके साथ किया हुआ खिलवाड़ नहीं मानते. कभी दीन-हीन या मजबूर नहीं होते. वे मजबूरी में सतत् धैर्य व जागृति से अपने लिए मार्ग खोज लेते हैं. अगर सीता का हरण नहीं हुआ होता तो शायद राम को हम जानते ही नहीं होते. यही बात हर सफल व्यक्ति पर लागू होती है, आप पर भी. निष्फलता ही आपको फल प्राप्ति का मार्ग सुझा सकती है. अतः निष्फलता को प्रेम व धैर्यपूर्वक शोधो. सफलता का मार्ग उसी में से निकलता है.

काली-पीली-बदबूयुक्त खाद ही बीजों को सुगंधित पुष्प व सुमधुर फल बनने में सहायक बनती है. जैठ-वैशाख में सूर्य की तपती आग ही सावन-भादों के बादल व वर्षा का कारण बनती है. इस प्रकृति में ऐसा कोई सफल इंसान इस धरती पर हुआ ही नहीं जो अपनी असमर्थता के अहसास व खीझ से कभी गुजरा न हो.

अगर आज आप स्वयं को नाकामयाब, नाकाबिल, सौभाग्यहीन, गरीब, फिसड्डी या संकोची महसूस करते हों तब भी आप यह जानो कि ये ही आन्तरिक कुण्ठाएँ आपको कुण्ठामुक्ति का मार्ग भी सुझाएंगी. आवश्यकता मात्र इतनी ही है कि प्रतिकूलता या असफलता के क्षणों में कभी घुटने मत टेको. स्वयं को असक्षम बतलाकर बैठे मत रहो.